

एनएसआई में छात्रावास सह अतिथि कक्ष का उद्घाटन

कानपुर, 18 जनवरी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में छात्रावास सह अतिथि कक्ष का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। आफलाइन कक्षाओं के प्रारम्भ होने के कारण इस 25 कमरो वाले छात्रावास को 550 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है जिसमें व्यवस्थित रसोई, भोजनालय, मनोरंजन गृह एवं सामान्य अतिथि कक्ष भी शामिल है। इन सबके अतिरिक्त 6 कमरे बाहर से आने वाले विभिन्न संकाय के अध्यापकों



:छात्रा आवास उद्घाटन के अवसर पर मौजूद निदेशक व अन्य।

एवं विशेषज्ञों के लिए निर्मित किये गए हैं। निदेशक ने बताया कि विदेशियों और बाहर से आने वाले विभिन्न संकाय के अध्यापकों व विशेषज्ञों के लिए पृथक छात्रावास की आवश्यकता काफी लंबे समय से महसूस की जा

रही थी। कोविड-19 के चलते साफ-सफाई के साथ एक नये छात्रावास की आवश्यकता भी थी। संस्थान में चार नाइजीरिया के विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जबकि आठ विद्यार्थी आगामी 22 जनवरी 2021 को यहां पर आ रहे हैं।

NSI's international hostel inaugurated

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

National Sugar Institute Director Prof Narendra Mohan, while inaugurating the newly-constructed international hostel on Monday, said the requirement of an exclusive hostel for foreign students and visiting faculty was long felt.

The new hostel has the most modern facilities with special focus on hygiene, COVID-19 protocol and aesthetically decorated ambience for the foreign students who come to pursue the courses in this globally recognised institute.

Prof Mohan said the existing hostels were quite old and their rooms did not have attached toilet facilities and other required infrastructure as expected in an international hostel. He added that the NSI had provided very good facilities in its Kanpur hostel.

The NSI director said the hostel shall have uninterrupted power supply and was equipped with free Wi-Fi facility. He said with this hostel, it would be possible for the institute not only to attract students



The Director NSI, Prof Narendra Mohan, along with Nigerian students of the institute at the newly constructed International Hostel on Monday

Pioneer

of other countries but also to conduct more short duration programmes for executives of the sugar industry.

Prof Mohan said apart from this a world class training centre having seating capacity for 200 delegates was also nearing completion and it would enable the NSI to conduct customised training programmes as per requirement of the sugar industry.

It may be mentioned here

that with the commencement of offline classes and joining of four Nigerian students, the newly-constructed student hostel-cum-guest house was thrown open in a simple ceremony presided over by Prof Mohan.

The new hostel, which has been constructed in a span of two years at a cost of Rs 550 lakh, has 25 rooms besides fully furnished kitchen, dining, recreation and common room.

Prof Mohan said in addition to this six rooms had also been provided for the visiting faculty and other staff.

He said four students from Nigeria had already arrived for taking up studies in regular courses in sugar technology, sugar engineering, quality control & environment science and in industrial instrumentation and process automation, while eight others would join on January 22, 2021

He said these eight Nigerian nationals were from National Sugar Development Council, Nigeria and would undertake training under the customised training programme and after finishing their studies shall work as faculty in the Nigerian Sugar Institute which was being established with assistance from the National Sugar Institute, Kanpur.

Many sugar producing countries like Egypt, Sri Lanka, Kenya and Indonesia are in touch with the NSI and the institute expects more students and trainees from these countries once the COVID-19 situation eases out.

शर्करा संस्थान में 'अतिथि कक्ष युक्त छात्रावास' का हुआ शुभारंभ

■ महाराजगढ़ न्यूज ब्यूरो
कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने संस्थान के नवनिर्मित छात्रावास 'एडिथि कक्ष' का शोभायात्रा को उद्घाटन किया। ₹ 9.50 करोड़ की लागत से बनाया गया छात्रावास में 100 बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि यह छात्रावास शर्करा संस्थान के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।



राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में एक नया छात्रावास।

शर्करा संस्थान में अतिथि कक्ष के लिए पहले डिटेरी छात्र : संस्थान के प्राचार्य ने कहा कि यह छात्रावास शर्करा संस्थान के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वाईफाई की मुफ्त सुविधा भी मिलेगी

शर्करा संस्थान में नए छात्रावास में वाईफाई की सुविधा भी मिलेगी। संस्थान के प्राचार्य ने कहा कि यह छात्रावास शर्करा संस्थान के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नाइजीरियन चीनी व बिस्किट बनाना सीखने आए कानपुर

कानपुर | तस्वीर संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

चीनी के साथ चीनी मिलों में बिस्किट, गुड़, एथेनॉल के साथ अन्य उत्पाद बनाना सीखने के लिए नाइजीरिया व इंडोनेशिया के छात्र कानपुर आ रहे हैं। वे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आकर पढ़ाई करेंगे और पूरी ट्रेनिंग लेंगे। इसके लिए संस्थान में विशेष रूप से इंटरनेशनल गेस्ट हाउस बनाया गया है। ये छात्र 7 दिन क्वारंटीन रहने के बाद नियमित रूप से कक्षा में हिस्सा लेंगे। सोमवार को नाइजीरिया के चार छात्र आ गए हैं जबकि 8 छात्र 22 जनवरी को आएंगे। वहीं इंडोनेशिया के भी छात्र जल्द संस्थान आएंगे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि अब तक देश या

- एनएसआई में जल्द आएंगे इंडोनेशिया व श्रीलंका के छात्र
- बनाया गया है 5.50 करोड़ रुपए से इंटरनेशनल छात्रावास

दुनिया के किसी भी संस्थान में सिर्फ चीनी इंडस्ट्री के बारे में जानकारी दी जाती है। एनएसआई के वैज्ञानिकों के निरंतर प्रयास और नए शोध की बदौलत अब चीनी के साथ अन्य बहुउत्पाद तैयार करने का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान के वैज्ञानिक चीनी मिलों को घाटे से उबारने के लिए वेस्ट (बगास) का प्रयोग कर बहुउत्पाद तैयार कर रहे हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों ने मक्का, चावल व सड़े अनाज से भी एथेनॉल बनाने की तकनीकी खोज निकाली है।